दैनिक
लोकहित की पुकार

RNI-MPHIN/37343

राजगढ़, शनिवार 25 जनवरी, 2025 वर्ष-04 अंक- 81 पृष्ठ-4 मूल्य- 2 रुपए

email-lokhit ki pukar@gmail.com

पेज- 2 शुष्क भूमि विस्तार से उपजा मानवीय संकट

पेज- 4 मुख्यमंत्री से मिले जिलाध्यक्ष गुर्जर, सीएम ने पुनः नियुक्ति पर मुंह मीठा कराया

कैबिनेट बैठक: उज्जैन समेत 17 धार्मिक नगरों में 1 अप्रैल से शराबबंदी

विशेष परिस्थिति में मंत्री कर सकेंगे ट्रांसफर

भोपाल। डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आयोजित डेस्टिनेशन कैबिनेट में प्रदेश के 17 धार्मिक नगरों में शराबबंदी के आबकारी विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी। 1 अप्रैल से उज्जैन, ओरछा समेत अन्य नगरों में शराब दुकानें बंद हो जाएगी। इसके साथ ही मोहन कैबिनेट ने कई प्रस्तावों को मंजूरी दी। वहीं, विशेष परिस्थिति में मंत्रियों को ट्रांसफर करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई है।

मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की नगरी महेश्वर में आयोजित कैबिनेट बैठक में ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार ने खरगोन के महेश्वर में 17 धार्मिक नगरों में शराबबंदी करने का निर्णय लिया है। इसके तहत एक अप्रैल से अब प्रदेश की 17 धार्मिक नगरों में शराब दुकाने बंद होगी।

वहीं, विशेष परिस्थिति में ट्रांसफर मंत्री अपने विभाग में ट्रांसफर कर सकेंगे। इसके साथ ही कैबिनेट ने नारी सशक्तिकरण मिशन को मंजूरी है। कैबिनेट की बैठक वंदे मातरम गान के साथ शुरू हुई। कैबिनेट बैठक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर को समर्पित की गई है। मुख्यमंत्री के सामने टेबल पर अहिल्या माता की मूर्ति रखी। कैबिनेट से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अहिल्या घाट पर मंत्रियों के साथ नर्मदा पूजन किया।

प्रदेश में पहले चरण में 17 नगरों में पूर्ण शराबंदी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट की बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य शराबबंदी की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इसके लिए पहले चरण में 17 धार्मिक नगरों को चुना गया है। इनमें नगर पालिका, नगर परिषद और नगर पंचायत क्षेत्रों में शराब की दुकानें बंद कर दी जाएंगी, और इन दुकानों को दूसरी जगह शिफ्ट भी नहीं किया जाएगा। यह निर्णय हमेशा के लिए शराबबंदी के लिए लिया गया है। इन 17 धार्मिक नगरों में एक नगर निगम, 6 नगर पालिका, 6 नगर परिषद और 6 ग्राम पंचायतें शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि उज्जैन नगर निगम क्षेत्र की सीमा में पूरी तरह से शराब की दुकानें बंद रहेंगी। इसके अलावा, दतिया नगर पालिका क्षेत्र, पन्ना नगर पालिका क्षेत्र, मंडला नगर पालिका, मुलताई नगर पालिका, मंदसौर नगर पालिका, महैर नगर पालिका, ओंकारेश्वर नगर परिषद, महेश्वर नगर परिषद, मंडलेश्वर नगर परिषद, ओरछा नगर परिषद, चित्रकूट नगर परिषद, और अमरकंटक नगर परिषद में भी शराबबंदी लागू रहेगी। ये सभी स्थल धार्मिक आस्था के केंद्र हैं। इसके बाद, ग्राम पंचायत क्षेत्रों में सलकनपुर, बरमान, लिंगा, बरमानर्खुद, कुंडलपुर और बांदकपुर में भी शराब बंदी लागू की जाएगी। साथ ही, मां नर्मदा के दोनों तटों के पांच किलोमीटर क्षेत्र में शराबबंदी की नीति को भी जारी रखा जाएगा।

कैबिनेट में मंत्रियों को उनके विभाग में विशेष परिस्थिति में ट्रांसफर करने की मंजूरी दी गई है। अप्रैल में ट्रांसफर पॉलिसी के लागू होने तक यह व्यवस्था लागू रहेगी। मंत्री गंभीर बीमारी या शारीरिक/ मानसिक दिव्यांगता के आधार पर। न्यायालयीन आदेश के तहत, यदि सरकार के पास कोई अन्य कानूनी विकल्प न हो। गंभीर शिकायतें, अनियमितताएं, या लापरवाही के मामलों में। लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू, या पुलिस द्वारा आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने पर। निलंबन, त्यागपत्र, सेवानिवृत्ति, पदोन्नति, या मृतक कर्मचारी की रिक्ति पर तबादला किया जा सकेगा। यदि किसी प्रोजेक्ट के लिए पदस्थ अधिकारी का कार्य पूरा हो चुका है तो उसका भी तबादला किया जा सकेगा। सीएम यादव ने बताया कि महू में स्थापित आंबेडकर विश्वविद्यालय के लिए 25 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इसे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा।

कल्याणी विवाह को प्रोत्साहन देने का निर्णय

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां अहिल्या की बात कर रहे हैं तो कल्याणी विवाह को भी प्रोत्साहन देने का निर्णय किया है। इसमें हमारी विधवा बहने या परित्यक्त बहने अपना पुनर्जीवन विवाहित रूप में आगे निकाल सकें। कल्याणी बहनों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में पूरे प्रदेश में अभियान चलाकर, इसमें प्रति विवाह 2 लाख रुपए की धनराशि दी जाएगी। सीएम ने कहा कि किसान भाइयों के लिए भी हमारी सरकार ने निर्णय किया है कि जो किसान अस्थाई विद्युत पंप पर निर्भर रहते हैं ऐसे लगभग 2 लाख किसानों को 3 हॉर्स पावर से लेकर 7.5 हॉर्स पावर तक 10त्न की राशि वह देंगे तो उन्हें पूरा पंप हमारी तरफ से दिया जाएगा। एक तरह से बिजली फ्री हो जाएगी। इसके अलावा सीएम ने कहा कि कल हमने भोपाल में जो डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सेतु की सौगात दी है। इसके बाद 180 करोड रुपए की लागत से एक और नया सेतु भोपाल के लिए मंजूर किया गया है। सीएम यादव ने होल्कर साम्राज्य की संस्कृति को भी याद किया। उन्होंने कहा कि होल्कर साम्राज्य का सांस्कृतिक क्षेत्र तो बड़ा था ही, उनका भौगोलिक क्षेत्र भी बड़ा था। हम लोकमाता मां अहिल्याबाई के आदर्शों को चरितार्थ करने का प्रयास कर रहे हैं।

भंडारा आयुध फैक्टरी में विस्फोट इकाई की छत ढही; आठ की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को सुबह एक आयुध फैक्टरी में विस्फोट हो गया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि सात को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आयुध फैक्टरी में विस्फोट के कारण एक इकाई की छत गिरने से कई श्रमिक फंस गए। उन्होंने विस्फोट में जान गंवाने वालों के लिए शोक भी व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भंडारा में आयुध फैक्ट्री में बड़ा विस्फोट हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना में 8 लोगों की मौत हो गई है और 7 लोग घायल हैं। गडकरी ने जान गंवाने वालों को एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया कि घटना के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। बचाव दल घटनास्थल पर तैनात हैं। प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि घटनास्थल पर जीवित बचे लोगों के लिए बचाव और चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं।

इससे पहले जिलाधिकारी संजय कोल्टे ने बताया कि विस्फोट सुबह करीब साढ़े 10 बजे आयुध के परिसर में हुआ। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट जवाहर नगर इलाके में स्थित फैक्टरी के 'एलटीपी सेक्शन' में हुआ। विस्फोट के समय 'एलटीपी सेक्शन' में 14-15 कर्मचारी काम कर रहे थे, जिनमें से तीन को बचा लिया गया और एक की मौत हो गई। अग्निशमन दल और एंबुलेंस को मौके पर भेज दिया गया है। छत ढह गई है, जिसे जेसीबी की मदद से हटाया जा रहा है। हादसे की खबर आते ही फडणवीस ने दुख जताया। उन्होंने कहा, भंडरा जिले में आयुध फैक्टरी में हुए विस्फोट में छत गिरने से 13 से 14 श्रमिकों के फंसने की खबर है। अब तक मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुर्भाग्य से एक श्रमिक की मौत हो गई है। कई श्रमिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक मौके पर हैं और हर तरह की मदद मुहैया कराई जा रही है। बचाव अभियान के लिए एसडीआरएफ और नागपुर नगर निगम की टीमों को भी बुलाया गया है और वे जल्द ही पहुंच जाएंगी। जिला प्रशासन रक्षा बलों के साथ समन्वय में बचाव अभियान में शामिल है। चिकित्सा सहायता के लिए भी टीमों को तैयार रखा गया है। मैं इस घटना में जान गंवाने वाले एक व्यक्ति को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

कांग्रेस ने मोदी सरकार को घेरा

विस्फोट पर महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह मोदी सरकार की विफलता है।

प्रत्यक्षदर्शी ने सुनाई आपबीती

एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि मैं काम पर जा रहा था और मैंने हवा में मलबा उड़ते देखा। एक टुकड़ा मेरे पास आकर गिरा, मैं वहां से भाग गया। मैंने आग और धुआं निकलते देखा। मैंने बहुत तेज धमाका सुना।

पीएम मोदी ने परेड में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों से की बात

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने आवास पर गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने वाले एनसीसी कैडेट, एनएसएस स्वयंसेवक, आदिवासी मेहमान और झांकी कलाकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एकता और विविधता के महत्व पर जोर दिया। साथ ही एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करने के लिए विभिन्न राज्यों के लोगों से बातचीत करने के लिए कहा।

इस दौरान एनसीसी कैडेट, एनएसएस स्वयंसेवक, आदिवासी मेहमान और झांकी कलाकारों ने देश की संस्कृति और विविधता को प्रदर्शित करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। पीएम मोदी ने कहा कि ऐसे संवादों से समझ और एकता बढ़ती है। यह देश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। इस मौके पर पीएम मोदी ने प्रतिभागियों से बातचीत भी की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जिम्मेदार नागरिक के रूप में कर्तव्यों का पालन करके विकसित भारत के विजन को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने सभी से एकजुट रहने और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से राष्ट्र को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध रहने का आग्रह किया।

उन्होंने युवाओं को माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाली गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अनुशासन, समय की पाबंदी और जल्दी उठने जैसी अच्छी आदतों को अपनाने और डायरी लिखने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके अलावा उन्होंने सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। पीएम मोदी ने तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने की पहल से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की जानकारी दी। पीएम मोदी ने यह भी बताया कि किस प्रकार भारत की किफायती डाटा दरों ने कनेक्टिविटी को बदल दिया है और डिजिटल इंडिया कार्यक्रम को बढ़ावा दिया है। स्वच्छता के महत्व पर चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यदि 140 करोड़ भारतीय स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लें तो भारत हमेशा स्वच्छ रहेगा। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम पहल के महत्व के बारे में भी बात की तथा सभी से अपनी माताओं को समर्पित करते हुए पेड़ लगाने का आग्रह किया। पीएम ने फिट इंडिया मूवमेंट पर चर्चा की। उन्होंने भी से योग करने के लिए समय निकालने, फिटनेस और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा।

एमपी बोर्ड ने परीक्षा के टाइम टेबल में किया संशोधन 19 मार्च को होने वाली परीक्षाएं अब 21 मार्च को

भोपाल। एमपी बोर्ड ने हायर सेकेंडरी परीक्षा 2025 के टाइम टेबल में संशोधन किया है। हाईस्कूल परीक्षा कार्यक्रम में दिनांक 19 मार्च 2025 को आयोजित विज्ञान विषय की परीक्षा अब दिनांक 21 मार्च 2025 दिन शुक्रवार, को आयोजित की जाएगी। इसी तरह हायर सेकण्डरी परीक्षा की 19 मार्च 2025 बुधवार को आयोजि नेशनल स्कूल क्वालीफिकेशन फ्रेम वर्क (हस्त्त्न) का पेपर अब यह पेपर 21 मार्च को होगा।

6 माह पहेल हुई थी परीक्षा की तारीखों की घोषणा

दरअसल एमपी बोर्ड ने हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा 2025 की तारीखों की घोषणा करीब 6 महीने पहले की थी। हाई स्कूल की परीक्षा 27 फरवरी से शुरू होकर 19 मार्च को खत्म होगी। हायर सेकेंडरी परीक्षा 25 फरवरी से शुरू होगी और 25 मार्च को खत्म होगी। इससे पहले पिछले 2023-24 सत्र में एमपी बोर्ड की 10वीं-12वीं परीक्षा की तारीखों का ऐलान 2 अगस्त 2023 को किया गया था। दरअसल बीते सत्र में 10वीं-12वीं की परीक्षा 18.22 लाख स्टूडेंट ने दी थी। 10वीं की बोर्ड परीक्षा 9 लाख 65 हजार छात्रों ने दी थी। इस परीक्षा के लिए प्रदेशभर में कुल 3,868 एग्जाम सेंटर बनाए गए थे। वहीं, 12वीं की बोर्ड परीक्षा 7,501 केंद्रों पर हुई थी। इसमें 8 लाख 57 हजार स्टूडेंट्स शामिल हुए थे।

राजनाथ ने संजय बैटरफील्ड सर्विलांस सिस्टम को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक से एसएएनजेएवाई बैटरफील्ड सर्विलांस सिस्टम (बीएसएस) को हरी झंडी दिखाई। एसएएनजेएवाई एक स्वचालित प्रणाली है जो सभी जमीनी और हवाई युद्धक्षेत्र सेंसरों से इनपुट को एकीकृत करेगा। यह युद्धक्षेत्र की पारदर्शिता को बढ़ाएगा और एक केंद्रीकृत वेब एप्लिकेशन के माध्यम से भविष्य के युद्धक्षेत्र को बदल देगा। यह सेना मुख्यालय और भारतीय सेना निर्णय समर्थन प्रणाली को इनपुट प्रदान करेगा।

हवाओं का रुख बदला, दिन के तापमान में 7 डिग्री तक लुढ़का

भोपाल। मध्य प्रदेश के मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को भोपाल और इंदौर समेत कई जिलों में ठंडी हवाएं चलीं। हवा का रुख उत्तरी होने से दिन का तापमान करीब 7 डिग्री तक लुढ़क गया। शनिवार से मौसम फिर बदलेगा है। मौसम विभाग के अनुसार हवाओं का रुख बदल रहा जिसे ठंड बढ़ रहा है 25 जनवरी से तेज ठंड का एक और दौर शुरू होगा, जो पूरे सप्ताह रहेगा। शुक्रवार को भोपाल का अधिकतम तापमान 22.6 डिग्री रहा, इंदौर में 23.4, उज्जैन में 23.5, ग्वालियर में 25 और जबलपुर में पारा 24.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। गुना में 25, पचमढ़ी में 26.6, रायसेन में 23.6, दमोह में 25.5, खजुराहो में 25.4, नरसिंहपुर में 24.2, रीवा में 23.8, सागर में 24.9, सतना में 24.7, सीधी में 24.6, टीकमगढ़ में 24, उमरिया में 25.5 डिग्री टेम्परेचर रिकॉर्ड किया गया। सीनियर मौसम वैज्ञानिक वेद प्रकाश सिंह ने बताया था कि साइक्लोनिक सर्कुलेशन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस की एक्टिविटी की वजह से दक्षिण-पूर्वी हवा चली। उत्तरी रुख होने से ठंडी हवा प्रदेश में आएगी और दिन-रात के तापमान में दो से तीन डिग्री तक की गिरावट होगी।

जेपीसी से निलंबित विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र, जगदंबिका पाल पर लगाए कई आरोप

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक के दौरान हुए बवाल के बाद निलंबित विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा है। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल पर कई आरोप लगाए हैं। लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में विपक्षी सांसदों ने लिखा- %...जब आज सुबह 11 बजे बैठक शुरू हुई, तो हम विपक्षी सदस्यों ने अध्यक्ष की तरफ से कार्यवाही के संचालन के तरीके के खिलाफ अत्यंत सम्मान के साथ अपनी आवाज उठाई।

सांसदों ने आगे लिखा, हमने नियमों में निर्धारित उचित प्रक्रिया की अनदेखी करके जेपीसी के एकतरफा और अनुचित तरीके से काम करने पर प्रकाश डाला। यह सम्मानपूर्वक प्रस्तुत किया जाता है कि 24 और 25 तारीख को बैठक के लिए पूर्व में दिए गए नोटिस के बाद से, हम सदस्यों ने 31 तारीख को संसद सत्र शुरू होने के कारण 27 से 30 तारीख तक निर्वाचन क्षेत्र/राज्यों में अपने कार्यक्रम तैयार किए और इस प्रकार 27वीं बैठक को स्थगित करने की प्रार्थना की। जबकि हमने इन उचित दावों को सभ्य तरीके से अध्यक्ष के सामने रखा, उन्होंने जवाब देने का प्रयास भी नहीं किया।

हमने लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाई

चूंकि हम सभी ने अपमानित महसूस किया, इसलिए हम खड़े हुए और अपनी मांगों को सुनने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाई। इस बीच, अध्यक्ष ने किसी से फोन पर बात की और अचानक और आश्चर्यजनक रूप से, उन्होंने चिल्लाते हुए हमारे निलंबन का आदेश दिया... हितधारकों की तरफ से उठाए गए इन मुद्दों को समग्र रूप से संबोधित करने के लिए जेपीसी की तरफ से एक व्यापक अध्ययन की आवश्यकता है। इन परिस्थितियों में जेपीसी की कार्यवाही को बिना सोचे समझे आगे बढ़ाना, छुपे हुए द्वेष से भरी एक पहेली के अलावा और कुछ नहीं है।

जेपीसी अध्यक्ष के पास निलंबन का अधिकार नहीं है

पत्र में लिखा गया है कि, हमारा मानना है कि जेपीसी के अध्यक्ष के पास समिति के सदस्यों को निलंबित करने का अधिकार नहीं है। इसलिए यह प्रार्थना की जाती है कि जेपीसी के अध्यक्ष को कार्यवाही को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संचालित करने का निर्देश दिया जाए। अध्यक्ष को 27वीं बैठक स्थगित कर देनी चाहिए ताकि विपक्षी सदस्यों को नियमों और प्रक्रिया से हटकर अपनी दलीलें/दावे रखने के लिए पर्याप्त समय और अवसर मिल सके, ताकि संसद का लोकतंत्र सुनिश्चित हो सके, जिस पर राष्ट्र को अभी भी भरोसा है। जेपीसी की बैठक में हुए हंगामे के बाद वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति की से सभी 10 विपक्षी सांसदों को दिनभर के लिए निलंबित कर दिया गया। निलंबित विपक्षी सांसदों में कल्याण बनर्जी, मोहम्मद जावेद, ए राजा, असदुद्दीन ओवैसी, नासिर हुसैन, मोहिबुल्लाह, एम अब्दुल्ला, अरविंद सावंत, नदीमुल हक, इमरान मसूद शामिल हैं। विपक्षी सांसदों ने लिखा, 21 जनवरी को समिति के लखनऊ दौरे के समय अध्यक्ष से यह अनुरोध किया गया था कि 24 और 25 जनवरी की बैठक को स्थगित कर 30 और 31 जनवरी कर दिया जाए। सांसद संसद की कार्यवाही में भाग लेने दिल्ली पहुंचेंगे तो जेपीसी की बैठक में भी हिस्सा ले लेंगे क्योंकि 21 जनवरी की बैठक के बाद तुरंत बाद सारी सामग्री समेट कर फिर दिल्ली पहुंचना व्यवहारिक नहीं है। इस मांग पर अध्यक्ष ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी तो ए राजा ने विपक्षी सांसदों की ओर से 22 जनवरी को फिर से पाल से अनुरोध किया कि बैठक 30 और 31 जनवरी को आयोजित की जाए।

संपादकीय

मुफ्त का चंदन

यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त-मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, उसके जनक विभिन्न राज्यों में कई राजनेता भी रहे हैं। लेकिन फिलहाल दिल्ली में केजरीवाल की चर्चा ज्यादा है। वे नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं। विडंबना यह है कि कुछ समय पहले तक भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भी मुफ्त की रेवड़ियां बांटने को राष्ट्रीय हितों के लिये घातक बताता था, वही भाजपा केजरीवाल को उसी की मुफ्त वाली नीतियों से मात देने के लिये चुनावी मैदान में उतरी है। दरअसल पिछले आम चुनाव में चार सौ पार के अरमानों को झटका लगने के बाद भाजपा भी मुफ्त के खेल में उलझ गई है। दौड़ में अब कांग्रेस भी उतर गई है। विडंबना यह है कि जो पैसा दीर्घकालिक विकास कार्यों में लगाया जाना चाहिए था, वह मुफ्त के फेर में फंस गया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जिस भी महकमे ने मुफ्त में सेवाएं देनी शुरू की, उसका भट्ठा ही बैठा है। अब चाहे मुफ्त की बिजली हो, पानी हो या फिर बस सेवा। कमोबेश, यही हाल भारतीय रेलवे का भी है, जो राजनेताओं के किराये बढ़ाने के विरोध के बाद खुद को संभाल नहीं पा रही है। बड़ा तंत्र होने के बावजूद उसके सुरक्षातंत्र को मजबूत बनाने के लिये पर्याप्त लाभ नहीं कमाया जा सका। विडंबना यह भी है कि तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार और दूरदर्शी राजनेताओं के अभाव में विकास की रोशनी हर घर तक नहीं पहुंची। लेकिन इसका समाधान मुफ्त के खेल में कदापि नहीं है। निस्संदेह, मुफ्त की नीति लोगों को अकर्मण्य बनाती है। जरूरी था कि लोगों को इतना सक्षम बनाया जाता कि उन्हें स्थायी रोजगार का अवसर मिलता। फिर उन्हें मुफ्त मांगने की जरूरत ही नहीं होती। विडंबना यह है कि हमारे परिवार-समाज की धुरी मानी जाने वाली महिलाओं को प्रलोभन देने का खेल राष्ट्रीय स्तर पर शुरू हो गया है। पहले ये शुरुआत मध्यप्रदेश से हुई। फिर महाराष्ट्र में बहनों के लिये आर्थिक प्रोत्साहन राशि गेम चेंजर साबित हुई। अब वही कवायद दिल्ली के विधानसभा चुनाव में देखी जा रही है। दिल्ली की आप सरकार ने पहले मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत एक हजार रुपये की राशि पात्र महिलाओं को बांटी। अबकी बार आप ने यह राशि बढ़ाकर 2,100 करने की घोषणा की है। इसी तर्ज पर भाजपा महिला समृद्धि योजना लेकर आई है, जिसके तहत पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये सत्ता में आने पर दिये जाने का वायदा है।

हर बेटी के सपनों को उड़ान देने का दिन

प्रो. आर.के. जैन 'अरिजीत'

बालिकाओं के सपनों को पंख देने के लिए, एक नई ऊर्जा के साथ हर वर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है राष्ट्रीय बालिका दिवस। यह दिन समाज को याद दिलाता है कि बालिकाएं न केवल भविष्य की निर्माता हैं, बल्कि वर्तमान की शक्ति भी हैं। उनके अधिकारों और सशक्तीकरण की ओर उठाए गए कदमों को स्मरण करते हुए, हमें सुनिश्चित करना होगा कि वे हर क्षेत्र में अपना पूर्ण विकास कर सकें। वर्ष 2025 की थीम 'सपनों की उड़ान ¬ बालिकाओं के लिए नए आयाम' इंगित करती है कि अब समय आ गया है जब हम बालिकाओं को उनके सपनों की ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक मंच और अवसर प्रदान करें। राष्ट्रीय बालिका दिवस का गौरवशाली इतिहास हमें 2008 की ओर ले जाता है, जब महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इसे पहली बार मनाने का साहसिक कदम उठाया। 24 जनवरी को इस दिन को मनाने का निर्णय इसलिए हुआ क्योंकि इसी दिन 1966 में इंदिरा गांधी ने भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। यह दिन नारी शक्ति का सम्मान और उनकी असीम संभावनाओं को मान्यता देने का प्रतीक बन गया है। इंदिरा गांधी का नेतृत्व यह साबित करता है कि महिलाएं, जब उन्हें सही अवसर मिले, तो वे हर क्षेत्र में विजय पताका फहरा सकती हैं। आज भी, बालिकाओं की स्थिति में परिवर्तन देखने को मिला है, लेकिन चुनौतियां अभी भी हिम्मत के साथ खड़ी हैं। बाल विवाह, लिंग भेदभाव और शिक्षा में असमानता जैसी समस्याएं देश के अनेक कोनों में अपनी जड़ें मजबूती से जमाए हुए हैं। इन कठिनाइयों से मुकाबला करने के लिए सरकारी योजनाओं के साथ-साथ समाज के सामूहिक संकल्प का विशेष महत्व है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियानों ने बालिकाओं की शिक्षा की अहमियत को जन-जन तक पहुंचाया है और उनके अधिकारों के प्रति सचेतनता बढ़ाई है। ये प्रयास हमें याद दिलाते हैं कि बालिकाओं को सशक्त बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है, जिससे एक समतामूलक और शिक्षित समाज की नींव रखी जा सके। बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वावलंबन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए देश के अनेक क्षेत्रों में जोरदार प्रयास हो रहे हैं। शिक्षा के साथ-साथ खेल, विज्ञान, और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चल रहे हैं। इन प्रयासों के फलस्वरूप, कई बालिकाएं खेल, विज्ञान और कला में अद्भुत सफलताएं हासिल कर रही हैं, जो उनके लिए नए अवसरों की सीढ़ियां खोल रही हैं। वर्ष 2025 की थीम 'सपनों की उड़ान' हमें स्मरण कराती है कि केवल अवसर देना ही पर्याप्त नहीं है; हमें ऐसा वातावरण भी निर्मित करना होगा जहां बालिकाएं अपने विचारों और क्षमताओं को निर्भीकता से व्यक्त कर सकें। ऐसा माहौल उन्हें आत्मनिर्भर बनने और अपने जीवन की दिशा स्वयं चुनने का अधिकार देता है। आज के समाज में बदलाव की तेज हवा बह रही है। बालिकाओं के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के अवसरों में विस्तार हुआ है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित के क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन पहलों से यह स्पष्ट होता है कि बालिकाएं हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ सकती हैं, बस जरूरत है उन्हें सही समर्थन और मार्गदर्शन की। मगर, यह भी सच है कि बालिकाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा जैसी समस्याओं से निपटना समाज के प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है। जब तक हम इन चुनौतियों से मिलकर नहीं लड़ेंगे, तब तक बालिकाओं के सशक्तीकरण का स्वप्न अधूरा ही रहेगा। दरअसल, राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें एक ऐसा संकल्प लेने का मौका देता है जहां हर बालिका अपने सपनों को पंख लगाकर उड़ान भर सके, आजादी और सुरक्षा के साथ। इस दिन का महत्व महज उत्सव मनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें बालिकाओं के लिए एक उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य की राह पर चलने के लिए प्रेरित करता है। बालिकाओं की उड़ान को सही दिशा देने के लिए हमें अपना योगदान देना होगा, ताकि उनका हर सपना हकीकत बन सके। जब बालिकाएं अपने आत्मविश्वास और प्रतिभा के बल पर आगे बढ़ती हैं, तो वे न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनती हैं।

शुष्क भूमि विस्तार से उपजा मानवीय संकट

वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि दुनिया ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर अंकुश नहीं लगाती है, तो इस सदी के अंत तक आज के आर्द्र क्षेत्रों का 3 प्रतिशत अतिरिक्त क्षेत्र शुष्क भूमि में परिवर्तित हो जाएगा। वैज्ञानिकों की नई रिपोर्ट वैश्विक शुष्कता रुझान तथा भविष्य के अनुमान के बारे में सऊदी अरब के रियाद में आयोजित संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में प्रस्तुत की गई। यह अब तक का सबसे बड़ा संयुक्त राष्ट्र भूमि सम्मेलन था। पश्चिम एशिया में यह पहली बैठक थी। यह एक ऐसा क्षेत्र है जो शुष्कता के प्रभावों से व्यापक रूप से प्रभावित है। रियाद बैठक में पहली बार शुष्कता के संकट को वैज्ञानिक स्पष्टता के साथ प्रस्तुत किया गया। मानव-जनित जलवायु परिवर्तन इस संकट का प्राथमिक चालक है। बिजली उत्पादन, परिवहन, उद्योग और भूमि-उपयोग परिवर्तनों से होने वाले उत्सर्जन ग्रह को गर्म कर रहे हैं और वर्षा के पैटर्न, वाष्पीकरण दर और पौधों के जीवन को बदल रहे हैं।

मुकुल व्यास

हाल के दशकों में पृथ्वी की तीन-चौथाई से अधिक भूमि स्थायी रूप से शुष्क हो गई है। जलवायु संकट के प्रभावों से जूझ रही दुनिया के लिए शुष्क भूमि का विस्तार होना नई चिंता पैदा करता है। मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन द्वारा जारी की गई रिपोर्ट से पता चलता है कि 2020 तक के तीन दशकों में पृथ्वी की लगभग 77.6 प्रतिशत भूमि ने पिछले 30 साल की अवधि की तुलना में शुष्क परिस्थितियों का अनुभव किया। उन्हीं तीन दशकों में, शुष्क भूमि का विस्तार लगभग 43 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में हुआ जो अंटार्कटिका को छोड़कर पृथ्वी की सभी भूमि का 40.6 प्रतिशत हिस्सा है। इस समय सीमा के भीतर, वैश्विक भूमि का लगभग 7.6 प्रतिशत क्षेत्र शुष्कता की सीमा को पार कर गया। अधिकांश आर्द्र भू-भाग शुष्क भूमि में परिवर्तित हो गए, जिससे कृषि, पारिस्थितिकी तंत्र और उन पर निर्भर लोगों पर गहरा असर पड़ा।

वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि दुनिया ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर अंकुश नहीं लगाती है, तो इस सदी के अंत तक आज के आर्द्र क्षेत्रों का 3 प्रतिशत अतिरिक्त क्षेत्र शुष्क भूमि में परिवर्तित हो जाएगा। वैज्ञानिकों की नई रिपोर्ट वैश्विक शुष्कता रुझान तथा भविष्य के अनुमान के बारे में सऊदी अरब के रियाद में आयोजित संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में प्रस्तुत की गई। यह अब तक का सबसे बड़ा संयुक्त राष्ट्र भूमि सम्मेलन था। पश्चिम एशिया में यह पहली बैठक थी। यह एक ऐसा क्षेत्र है जो शुष्कता के प्रभावों से व्यापक रूप से प्रभावित है। रियाद बैठक में पहली बार शुष्कता के संकट को वैज्ञानिक स्पष्टता के साथ प्रस्तुत किया गया। मानव-जनित जलवायु परिवर्तन इस संकट का प्राथमिक चालक है। बिजली उत्पादन, परिवहन, उद्योग और भूमि-उपयोग परिवर्तनों से होने वाले उत्सर्जन ग्रह को गर्म कर रहे हैं और वर्षा के पैटर्न, वाष्पीकरण दर और पौधों के जीवन को बदल रहे हैं। ये स्थितियां बढ़ती शुष्कता को रेखांकित करती हैं। कुल मिलाकर विश्व स्तर पर शुष्क भूमि का विस्तार हो रहा है। 2020 तक 2.3 अरब लोग यानी दुनिया की आबादी के एक-चौथाई से भी ज्यादा लोग विस्तारित शुष्क भूमि में रह रहे थे। शुष्कता से संबंधित भूमि क्षरण, जिसे मरुस्थलीकरण के रूप में जाना जाता है, मानव कल्याण और पारिस्थितिक स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा है। इस दिशा में ठोस कार्रवाई के बिना भविष्य और भी अधिक निराशाजनक हो सकता है। सबसे खराब उत्सर्जन परिदृश्यों के तहत, सदी के अंत तक पांच अरब लोग शुष्क भूमि पर रह सकते हैं। ऐसी स्थिति का मतलब होगा मिट्टी का क्षय, जल संसाधनों की कमी और मानवता के बड़े हिस्से के लिए पारिस्थितिकी तंत्र का ढहना। आज दुनिया के कुछ सबसे शुष्क क्षेत्रों में पहले से ही जबरन पलायन दिखाई दे रहा है। जैसे-जैसे भूमि अनुपयोगी होती जाती है और खेती विफल होती जाती है, परिवारों और समुदायों के पास अक्सर स्थानांतरित होने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता। इससे वैश्विक स्तर पर सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियां बढ़ती जाती हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि समस्त भूमि का पांचवां हिस्सा अचानक पारिस्थितिकी तंत्र के परिवर्तनों से गुज़र सकता है। इनके प्रभावों से जंगल घास के मैदानों में बदल सकते हैं। दुनिया के कई पौधों और जानवरों की प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं। ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के बारे में एक अन्य अध्ययन में दुनिया के ग्लेशियरों के समक्ष आसन्न संकट को रेखांकित किया गया है। दुनिया के कई ग्लेशियर पिछले हिमयुग के दौरान बने थे। ये ग्लेशियर हजारों सालों से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों और ध्रुवीय क्षेत्रों में विद्यमान हैं। लेकिन आने वाले समय में इस स्थिति में बड़ा बदलाव हो सकता है। एक ताजा अध्ययन से पता चलता है कि इस सदी के अंत तक दुनिया के आधे से ज्यादा ग्लेशियर गायब हो सकते हैं। स्विट्ज़रलैंड और बेल्जियम के वैज्ञानिकों ने कार्बन उत्सर्जन के विभिन्न परिदृश्यों के तहत ग्लेशियरों की संभावित क्षति का अनुमान लगाया है। उन्होंने पृथ्वी के सभी ग्लेशियरों को ध्यान में रखा जिनकी संख्या दो लाख है। अध्ययन से मिले आंकड़े डराने वाले हैं। यदि कार्बन का उत्सर्जन उच्चस्तर पर हुआ तो सभी ग्लेशियरों में से 54 प्रतिशत तक ग्लेशियर गायब हो सकते हैं। आल्प्स में यह संख्या 75 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। पिछले साल किए गए एक अध्ययन से पता चला था कि हिमालय के ग्लेशियर भी तेजी से पिघल रहे हैं और ग्लोबल वार्मिंग के जारी रहने पर सदी के अंत तक उनके द्रव्यमान में 80 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है। नए अध्ययन के मुख्य लेखक और ग्लेशियर वैज्ञानिक हैरी ज़ेकोलारी ने कहा कि ग्लेशियर दुनिया के कई हिस्सों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्लेशियरों में होने वाले परिवर्तन सीधे हमारे समाज और प्राकृतिक पर्यावरण को प्रभावित करते हैं। स्थानीय स्तर पर ग्लेशियर प्राकृतिक खतरों का कारण बन सकते हैं। ग्लेशियर स्थानीय जल आपूर्ति निर्धारित करते हैं और पर्यटन की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हैं। ग्लेशियरों के पिघलने के परिणाम दूरगामी होंगे। पिघलते हुए ग्लेशियर समुद्र के बढ़ते स्तर में योगदान करते हैं जो तटीय कस्बों और शहरों में बाढ़ के जोखिम को बढ़ाता है। इसके अलावा, ग्लेशियर के खत्म होने से मीठे पानी के संसाधन कम हो जाते हैं, जिस पर लाखों लोग पीने के पानी के लिए निर्भर हैं। ग्लेशियर से पानी की आपूर्ति में परिवर्तन जैव विविधता, उद्योग, कृषि और घरों के लिए पानी की उपलब्धता को प्रभावित करेगा। ग्रीनहाउस प्रभाव संकट को और बढ़ाएगा। जैसे-जैसे पृथ्वी की सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करने की क्षमता कम होती जाती है, सूर्य से अधिक ऊर्जा परावर्तित होने के बजाय अवशोषित होती है। इससे ग्लोबल वार्मिंग का खतरा बढ़ता है और जलवायु परिवर्तन और भी गंभीर हो जाता है। भविष्य में ग्लेशियर क्षति का अनुमान लगाने के लिए शोध दल ने ऐतिहासिक ग्लेशियर द्रव्यमान, कार्बन उत्सर्जन और तापमान डेटा का अध्ययन किया। इस जानकारी और कंप्यूटर मॉडलिंग की सहायता से शोधकर्ता भविष्य में ग्लेशियर द्रव्यमान की क्षति के बारे में पूर्वानुमान लगाने में सक्षम हो गए। विभिन्न जलवायु परिदृश्यों के तहत 21वीं सदी में ग्लेशियर विकास का मॉडलिंग करके शोधकर्ताओं ने भविष्य के उत्सर्जन स्तरों के आधार पर परिणामों में भारी अंतर पाया। कम कार्बन उत्सर्जन के तहत 2100 तक ग्लेशियर अपने द्रव्यमान का 25 से 29 प्रतिशत खो सकते हैं। उच्च-उत्सर्जन परिदृश्य के तहत यह आंकड़ा 46 से 54 प्रतिशत के बीच बढ़ सकता है। इन चिंताजनक खुलासों के बावजूद शोधकर्ताओं ने अनुमानित ग्लेशियर विकास में अनिश्चितताओं को स्वीकार किया गया है।

अब तो मेवे से मिलती है सेवा

बुजुर्गों से यही सुनते आए हैं कि बेटा, सेवा करोगे तो मेवा मिलेगा। सेवा और मेवा का चोली-दामन का साथ बताया गया है। सेवा करने के बाद मेवा मिलेगा या नहीं इसमें संदेह हो सकता है परंतु कई बार पहले मेवा खिलाने के बाद सेवा पक्की मिलती है, इसमें कोई संदेह नहीं है। मेवा खाने के बाद आदमी में सेवा करने की ताकत भी आ जाती है। सेवा करने में जोखिम हो सकता है, परंतु मेवा खाने में किसी तरह का जोखिम नहीं होता। हम नाचीज़ बादाम, पिस्ता, काजू जैसी चीज़ों को ही मेवा समझते रहे, जो पैसा खर्च करने के बाद बाजार में मिल जाते हैं। परंतु साहित्य में सेवा और मेवा दोनों व्यापक अर्थों में प्रयुक्त होते हैं। जैसे स्वाति नक्षत्र की एक बूंद कदली, सीप और भुजंग के मुख में जाकर अपना अलग रूप ग्रहण कर लेती है। वैसे ही मेवा भी अलग-अलग तरह के सेवकों के सान्निध्य में जाकर अलग तरह का प्रभाव दिखलाता है। मेवा पाने के लिए सेवक बनना जरूरी है। इसीलिए हर क्षेत्र में सेवक बनने की कतार में सेवा करने के लिए व्याकुल सेवाकांक्षियों की फौज खड़ी है, जिनमें सरकारी सेवा के क्षेत्र में सबसे अधिक भीड़ है। सरकारी सेवक सेवा जनता की करते हैं पर बंधा-बंधाया मेवा सरकार देती है। कुछ के भीतर सेवा करने की तड़प, जो पहले सेवक बनने के लिए थी, मेवा फिक्स होने के बाद उनमें नॉर्मल होने लगती है। देश, काल और परिस्थिति के अनुसार मलाईदार पद वालों के पास बाहर का मेवा भी आता रहता है। मलाई मेवे को खींचती है। कई भक्त सरकारी सेवकों की सेवा से प्रसन्न होकर मेवा अर्पण करते हैं। मेवा तो प्रतीकात्मक है, असल में तो उनकी सेवा भावना में जमी श्रद्धा और विश्वास को गति देना है। मेवा को किसी समय सेवा का अनुगामी माना जाता था परंतु आज सेवा मेवा की अनुगामिनी है। कभी-कभी मेवा सेवा के साथ निष्पक्ष न्याय नहीं करता है, यही मेवा की सबसे बड़ी विसंगति है। हाड़तोड़ मेहनत के बाद भी पर्याप्त मेवा न मिले और किसी को नाम मात्र का श्रम करने पर भी भरपूर मेवा मिल जाए तो इसे क्या कहा जाए?

नये संकल्पों एवं नये प्रयोगों से समृद्ध होता गणतंत्र

भारतीय संविधान में सत्ता चयन के लिये संसदीय प्रणाली को सुनिश्चित किया है तथा संचालन के लिये विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसे तीन अंग सुनिश्चित किये। भारतीय संविधान में केंद्र और राज्य सरकार के बीच विषयों और कार्यों का स्पष्ट विभाजन है। केन्द्र सरकार को कुछ आपात अधिकार भी दिये गये हैं जिससे वह केन्द्र राज्य में हस्तक्षेप कर सकता है। इतने अनूठे, विलक्षण एवं समग्र संविधान के बावजूद छिहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा रहा। लेकिन अब इन राष्ट्रीय पर्वों को मनाते हुए संप्रभुता का अहसास होने लगा है। गणतंत्र का जब हम जश्न मनाते हैं, तो उसमें कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी जागती है तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचैनी भी दिखती है। हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास मुखर होता है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी सामने आती है। अब होने लगा है हमारी स्व-चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व-पहचान का अहसास।

ललित गर्ग

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद ने भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इसने ब्रिटिश शासन के भारत सरकार अधिनियम 1935 को पूरी तरह खत्म कर दिया और अपना स्वतंत्र संविधान इसी दिन लागू किया। इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इस वर्ष की थीम 'स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। किसानों, शिक्षकों, न्यायविदों, मजदूरों, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और इंजीनियरों की विविध भूमिकाओं की सामूहिक शक्ति हमारे देश को 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' की भावना के अनुरूप आगे बढ़ने में सक्षम बना रही है। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के साथ-साथ पूरे भारत से कई ऐसे लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है जिन्होंने अपने गांव, समाज एवं राष्ट्रमें विकास के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है, इस तरह इस बार गणतंत्र दिवस समारोह ऐसे अनेक नये प्रयोगों एवं प्रदर्शनों का साक्षी बन रहा है। भारतीय संविधान दुनिया का सबसे विशिष्ट संविधान माना जाता है। भारत की संविधान सभा ने दुनिया के सभी संविधानों का अध्ययन किया और हर संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को अपने संविधान में शामिल किया। नागरिक स्वतंत्रता के जितने अधिकार भारतीय संविधान में हैं उतने दुनिया के किसी अन्य संविधान में नहीं। भारतीय संविधान की दूसरी विशेषता संविधान की विशालता एवं समग्रता है। भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता का प्रावधान तो है लेकिन इसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्मानुसार आचरण करने की पूरी स्वतंत्रता है। इसमें नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य की

स्पष्ट विवेचना है। इसमें संघात्मकता भी है और एकात्मकता भी है। भारतीय संविधान में सत्ता चयन के लिये संसदीय प्रणाली को सुनिश्चित किया है तथा संचालन के लिये विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसे तीन अंग सुनिश्चित किये। भारतीय संविधान में केंद्र और राज्य सरकार के बीच विषयों और कार्यों का स्पष्ट विभाजन है। केन्द्र सरकार को कुछ आपात अधिकार भी दिये गये हैं जिससे वह केन्द्र राज्य में हस्तक्षेप कर सकता है। इतने अनूठे, विलक्षण एवं समग्र संविधान के बावजूद छिहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा रहा। लेकिन अब इन राष्ट्रीय पर्वों को मनाते हुए संप्रभुता का अहसास होने लगा है। गणतंत्र का जब हम जश्न मनाते हैं, तो उसमें कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी जागती है तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचैनी भी दिखती है। हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास मुखर होता है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी सामने आती है। अब होने लगा है हमारी स्व-चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व-पहचान का अहसास। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक, सामुदायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थ की सुनहरी छटाएं हैं। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी हैं। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो आखिर क्यों! क्यों हम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सुदृढ़ता नहीं दे पाये हैं? क्यों गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेरे रखा है? यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन-व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वात्मना नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है। बावजूद अभी भी देश की राजनीति अनेक विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से घिरी है। यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त-मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, तीनों प्रमुख रजनीतिक दल नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं। एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरु करे।

अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके तीसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही है, कुछ समय पूर्व हमने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के मन्दिर के शिलान्यास का दृश्य देखा। काशी में विश्वनाथ धाम का जो विकास हुआ है, उसे देखा। इनदिनों प्रयागराज में महाकुंभ का दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक अनुष्ठान होते हुए हम देख रहे हैं। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा-दिशा बदल सकती है। कैसे देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर किया जा सकता है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पडौसी देशों को चेता सकती है, कैसे दुनिया की महाशक्तियों के बीच भी अडिग खड़ी रह सकती है? कैसे स्व-संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए भारत में धर्मस्थलों और तीर्थो के विकास की किसी भी पहल की भी प्रशंसा होनी ही चाहिए। महाकुंभ की एक चमत्कारपूर्ण एवं विलक्षण आभा सामने आयी है, जो हमे गर्वित कर रही है। भारत के गणतंत्र में और भी चार-चांद लग रहे हैं, जैसे प्रयागराज हो, काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य- ये अजूबे एवं चौंकाने वाले लगते हैं। इन परिदृश्यों को केवल चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए विशेष रूप से गौरवान्वित करेंगी।

वाकई यहां अब कोई संदेह शेष नहीं है कि मोदी सरकार देश व समाज को बदल रही है, लोगों का जीवनस्तर उन्नत कर रही है। धार्मिक स्थलों को भव्य रूप ही नहीं दिया जा रहा है बल्कि उनसे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाया जा रहा है। इतना ही नहीं, सीमाओं की सुरक्षा भी बेखूबी हो रही है, समुंदर में हजारों किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर भी बिछाया जा रहा है, हर जिले में मेडिकल कॉलेज भी बनाये जा रहे हैं, उन्नत सड़कों का जाल बिछ रहा है, गरीबों को पक्के मकान भी बनाकर दिये जा रहे हैं, रोजगार, पर्यावरण-सुरक्षा, चिकित्सा, शिक्षा की अनूठी व्यवस्थाएं भी हो रही है। मतलब वर्तमान शासन-नायकों को विरासत और विकास की समन्वित चिंता है। हिंदुत्व की चिंता है, तो विकास की भी पूरी फिक्र है।

संत रविदास, अंबेडकर की प्रतिमा हटाकर पांव में रखी, भड़के लोग

इंदौर। इंदौर में संत रविदास और डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाएं हटाए जाने पर लोग भड़क गए हैं। नगर निगम ने आरई-2 से इन प्रतिमाओं को हटाया जिस पर बवाल हो रहा है। इसे लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने भी कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने नगर निगम और जिला प्रशासन पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रतिमाओं को बिना किसी नोटिस के हटाया गया है। दिग्विजयसिंह ने दावा किया कि जिन प्रतिमाओं का अनावरण भाजपा विधायक महेंद्र हार्डिया ने किया था, उन्हें हटाने पर हार्डिया सहित किसी भी भाजपा नेता ने विरोध नहीं किया। प्रशासन और निगम ने बिना किसी पूर्व सूचना के विधानसभा क्षेत्र-5 स्थित आरई-2 से इन प्रतिमाओं को हटाया है। हालांकि, विधायक महेंद्र हार्डिया ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने इन प्रतिमाओं का अनावरण नहीं किया था। उन्होंने बताया कि वे केवल एक बार किसी परिचय सम्मेलन में गए थे, जहां उन्होंने प्रतिमाओं पर पुष्प माला चढ़ाकर प्रणाम किया था। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें जानकारी नहीं है कि प्रतिमाएं कब और क्यों हटाई गई हैं। वर्तमान में शहर से बाहर होने की बात कहते हुए हार्डिया ने यह आश्वासन दिया कि इंदौर लौटने पर वे पूरे मामले को समझेंगे।

पैरों में रखकर अपमान किया

दिग्विजयसिंह ने आगे आरोप लगाया कि दोनों प्रतिमाओं को जीप में पैरों के नीचे रखकर ले जाया गया, जो बेहद अपमानजनक है। उन्होंने मांग की है कि दोनों प्रतिमाओं को सम्मानपूर्वक फिर से स्थापित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस कमिश्नर से इस

मामले में कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

झुग्गियों को हटाते वक्त भी हुआ था विवाद

आरई-2 के लिए कुछ दिन पहले झुग्गी बस्तियां भी हटाई गई थी। उस समय भी बहुत बवाल हुआ था। वहां पर रहने वाले लोगों का कहना था कि वे 40 साल से अधिक समय से वहां पर रह रहे हैं और उन्हें बिना कोई जगह दिए ही हटा दिया। हालांकि निगम का कहना है कि सभी को निगम द्वारा बनाए गए फ्लैट दिए गए उसके बाद ही उन्हें हटाया गया।

निगम-प्रशासन ने कहा अवैध कब्जा किया जा रहा था

दिग्विजयसिंह के प्रतिमा हटाने वाले स्थान पर जाने के बाद निगम और प्रशासन की ओर से कार्रवाई को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया गया। इसमें कहा गया कि पिपल्याहाना के सर्वे नंबर 644 रकबा 4.905 चरनोई की जमीन पर हुए अवैध कब्जे को हटा दिया है। यह कार्रवाई जिला प्रशासन व नगर निगम की टीम ने संयुक्त रूप से की है। एसडीएम घनश्याम धनगर ने बताया कि उक्त भूमि पर दो पक्के चबूतरे बनाकर उन पर मूर्ति स्थापित कर व शौचालय, टीनशेड बनाकर अतिक्रमण किया गया है। तहसीलदार लोकेश आहूजा ने कलेक्टर के आदेश पर नगर निगम के साथ इस जमीन से अतिक्रमण हटा दिया। इस जमीन का बाजार मूल्य 40 करोड़ से भी अधिक है। जांच में यह भी बात सामने आई कि वर्ष 2019 में भी अवैध कब्जे का प्रयास किया गया था एवं स्थानीय रहवासियों के अनुसार यहां कच्चा शमशान था जो कि राजस्व रिकॉर्ड में शासकीय चरनोई की मद में दर्ज है। दिग्विजयसिंह पिपलियाहाना स्थित उस जगह पहुंचे जहां से संत रविदास और भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाएं हटाई गई हैं। दिग्विजयसिंह ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि जिस जगह पर मूर्तियां लगी थीं, वहां मैं आज शुक्रवार सुबह गया था। वहां मंदिर-आश्रम भी है, दुकानें भी हैं, लेकिन उन्हें नहीं हटाया। वहां दुकानों पर केवल नोटिस चस्पा किए गए हैं।

उधारी पर खजराना में चाकूबाजी, चंदन नगर में कुख्यात बदमाश ने पिस्टल की बट से किया हमला

इंदौर। इंदौर के खजराना इलाके में उधारी विवाद को लेकर एक मेडिकल दुकान संचालक और उसके भाई पर दो सगे भाइयों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, अमान नामक युवक का जल्ला कॉलोनी रोड पर मेडिकल स्टोर है। यहां एक आरोपी अफसर का ससुराल है, और अफसर पहले भी कई बार उधारी पर दवाइयां ले चुका था। गुरुवार को अफसर के भाई शाहिद ने अमान से मिलने का समय मांगा। जब अमान ने उसे दुकान पर बुलाया, तो शाहिद के साथ अफसर भी वहां पहुंच गया। अमान ने अफसर से कहा कि उसके ऊपर 2200 रुपए उधारी हैं और अगर वह पैसे चुका देता है तो वह आगे कोई उधारी नहीं मांगेगा। इस पर अफसर नाराज हो गया। शाहिद ने अमान को अपशब्द कहे और दुकान से बाहर जाने के लिए कहा। इसके तुरंत बाद, अफसर ने चाकू निकाला और अमान के कंधे, पैर और शरीर के अन्य हिस्सों पर हमला कर दिया। अफसर ने अमान के भाई बुरहान को भी चाकू मार दिया। जब आसपास के लोग बीच-बचाव करने और आरोपियों को पकड़ने की कोशिश करने लगे, तो दोनों आरोपी चाकू लहराते हुए वहां से भाग निकले। पुलिस ने इस मामले में जानलेवा हमले का केस दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश जारी है।

पिस्टल की बट से हमला किया

इसके अलावा, इंदौर के चंदन नगर में कुख्यात बदमाश इम्मू उर्फ इमरान ने एक चूड़ी दुकान संचालक पर पिस्टल की बट से हमला किया। पुलिस ने इस मामले में गुरुवार को आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

घटना लोहे वाली गेट के पास हुई, जहां सुल्तान नामक युवक अपनी बाइक पार्क कर रहा था। इस दौरान इम्मू ने उसे बुलाया और बाइक ठीक से पार्क करने के लिए अपशब्द कहे। इसके बाद उसने धमकी देने के उद्देश्य से अपनी पिस्टल निकाली और सुल्तान के सिर पर बट से वार कर दिया। सुल्तान को गंभीर रूप से घायल अवस्था में उसके परिवार ने जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे एमवाय अस्पताल रेफर किया गया। सुल्तान के पिता अहमद ने बताया कि इम्मू पर पहले भी कई गंभीर मामले दर्ज हैं। तीन साल पहले उसने पुलिस पर भी गोली चलाई थी, जिसके बाद उसका शॉर्ट एनकाउंटर किया गया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जिद ने ले ली पुलिसकर्मी की पत्नी की जान, पति ने मना किया तो पांचवीं मंजिल से लगा दी छलांग

ग्वालियर। ग्वालियर में एक सनसनीखेज मामला सामने आया। मायके जाने से पति ने मना किया तो पत्नी इतनी नाराज हो गई कि उसने अपने घर की छत से छलांग लगा दी। छलांग लगाने के बाद महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ऊंचाई से गिरने के कारण उसके शरीर पर काफी गंभीर चोट आई थी। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस ने पति के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला बयान देने की हालत में नहीं थी। जानकारी के अनुसार ग्वालियर की बहोड़ापुर थाना पुलिस को गुरुवार को सागर ताल के पास स्थित मल्टी में रहने वाली आरती राठौर पत्नी दिलीप राठौर नाम की महिला जयारोग्य अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में गंभीर हालत में भर्ती कराया गया, वहां इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर बहोड़ापुर थाना प्रभारी ने थाने में पदस्थ एसआई रामचंद्र शर्मा को मामले की जांच के लिए मौके पर भेजा। घटना की पड़ताल में पता चला कि महिला आरती मायके जाने के लिए अपने पति दिलीप से कह रही थी, लेकिन पति ने जाने से इनकार कर दिया। इस बात से नाराज होकर महिला ने मल्टी की पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी। पता चला है कि घायल महिला आरती का पति दिलीप राठौर एक पुलिसकर्मी है। महिला के पति दिलीप राठौर ने अपनी पत्नी आरती को पहले एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां उसकी हालत बिगड़ने पर उसे जयारोग्य के ट्रॉमा सेंटर में रेफर किया गया।

दिग्विजय बोले आम आदमी पार्टी को हमने जिताया इंदौर में जीतू के आका मजबूत होंगे

इंदौर। मप्र के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह शुक्रवार को इंदौर आए। 27 जनवरी को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी महू (इंदौर) आ रहे हैं। उनके आने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए वह यहां पहुंचे। यहां पर उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि संविधान हमें सिखाता है कि पिछड़ों को आगे लाओ और सभी धर्मों का सम्मान करो लेकिन आरएसएस वाले इससे हटकर नफरत का माहौल कायम करते हैं। दिल्ली चुनाव में इंडिया गठबंधन को लेकर पूर्व सीएम ने कहा कि, ये लोकल चुनाव है। स्थानीय मुद्दों पर लड़ रहे हैं। पहली बार हमने आम आदमी को सरकार बनाने में मदद की। उन्होंने कहा कि जय बापू जय भीम जय संविधान यात्रा में दो लाख से अधिक लोगों के जुटने का अनुमान है। यहां खड़गे, राहुल और प्रियंका तीनों संबोधित करेंगे।

मीडिया से चर्चा में यह भी कहा पूर्व सीएम ने

धार्मिक शहरों में शराब बंदी पर बोले कि इन शहरों में जुआ, सट्टा और स्मैक पर भी प्रतिबंध लगना चाहिए। भाजपा पार्षद विवाद पर बोले कि दोनों ही पार्षद भाजपा के हैं, ये उनका अंदरूनी मामला है। जिसने पीटा उसके आका मजबूत होंगे और जो पिटाया उसके आका कमजोर होंगे। जीतू पटवारी के कांग्रेस में कैंसर वाले बयान पर कहा कि जीतू पटवारी ने जो कहा सोच समझकर कहा होगा। दिग्विजय ने यूनियन कार्बाइड के कचरे पर कहा कि यूका कचरे

को वहीं खत्म कर देना चाहिए। मुझे कोई बता रहा था वहां कोई बिल्डर रुचि ले रहा है, उनके लिए जमीन खाली करवा रहे हैं। दिल्ली चुनाव में गठबंधन पर ये लोकल चुनाव है। स्थानीय मुद्दों पर लड़ रहे हैं। पहली बार हमने आम आदमी को सरकार बनाने में मदद की। कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति पर बोले कि विपक्ष की राजनीति अलग ढंग से की जाती है। जिन लोगों को धंधा नहीं करना है ठेके नहीं लेने हैं, वे विपक्ष की राजनीति कर सकते हैं क्या? जिन लोगों को लगा कि सत्ता हमारी नहीं है वे चले गए।

परिवहन बाबू सौरभ शर्मा को लेकर बोले कि सौरभ को लोकायुक्त, ईडी, आईटी सब ढूंढ रहे हैं। ये नमूना है भाजपा की मॉडल ऑफ गवर्नेंस का। सरकारी कर्मचारी-अफसरों को लगता है कि कांग्रेस की सरकार आ जाएगी तो हमारे खिलाफ कार्रवाई होगी। इसलिए सभी के सभी बेईमान-भ्रष्ट अधिकारी-कर्मचारी भाजपा के पेड कार्यकर्ता के रूप में काम करते हैं। पुलिस, रेवेन्यू सभी विभागों के अधिकारी भाजपा के लिए काम करते हैं।

गौशाला से गायों के लापता होने पर संतों में आक्रोश

सिर मुंडवाकर प्रशासन से की कार्रवाई की मांग

उज्जैन। उज्जैन के खाचरोद स्थित श्री नंदराज गौशाला लेकोड़िया से 498 गायों के लापता होने का मामले में स्वामी कृष्णानंद महाराज ने अपने जन्मदिन पर इस मुद्दे पर गौमाता को श्रद्धांजलि दी और भक्तों ने सिर मुंडवाकर विरोध जताया। उन्होंने क्षेत्रीय विधायक तेज बहादुर सिंह चौहान पर तीखे आरोप लगाते हुए उन्हें आश्रम से प्रतिबंधित कर दिया।

खाचरोद स्थित श्री नंदराज गौशाला लेकोड़िया में 498 गौमाताओं के लापता होने का मामला सामने आया है। बगलामुखी शक्तिपीठाधीश्वर संत कृष्णानंद महाराज ने दस दिन पूर्व प्रशासन को इस घटना की जानकारी देते हुए गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने शिकायत में

बताया कि गौशाला में एक हजार गौमाताओं के लिए मध्यप्रदेश सरकार 20 रुपये प्रति गौमाता के मान से अनुदान दे रही है। वहीं, सरकारी पशु चिकित्सक की रिपोर्ट में गौशाला में केवल 500 के आसपास गौमाताओं का उल्लेख किया गया है।

संत कृष्णानंद महाराज का कहना है कि सरकारी दस्तावेजों के अनुसार गौशाला में एक हजार गौमाताओं के लिए अनुदान मिल रहा है, जबकि पशु चिकित्सक की रिपोर्ट में सैकड़ों गायों के गायब होने का जिक्र है। उनका सवाल है कि ये गायें आखिर कहां हैं? संत के आरोपों के बाद आनन फानन में गौशाला समिति सदस्यों ने अन्य गौशालाओं में गाय भेजने का जिक्र किया था, लेकिन उक्त गौशाला के संचालकों ने स्वामी के सामने आकर दूसरी गौशाला की गाय के यहां पहुंचने से मना कर दिया।

पहले मुंडवाए सिर फिर दी गौ माता को श्रद्धांजलि

स्वामी कृष्णा नंद महाराज ने अपने जन्मदिन के मौके पर स्वागत मंच को गौमाताओं की हत्या के प्रतीक रूप में श्रद्धांजलि में बदल दिया। गया और बाहर से आए कई और साधु संतों, यहां तक कि भक्तों ने गौ माता को श्रद्धांजलि देते हुए अपने सिर के बाल सर मुंडवा दिए। स्वामी यही नहीं रुके और मंच से क्षेत्रीय विधायक तेज बहादुर सिंह चौहान पर बरसते हुए कहा कि अब तो विधायक बन गए हो अगली बार भूल जाना कि तुम विधायक बनोगे और आज के बाद इस आश्रम के दरवाजे तुम्हारे लिए बिल्कुल बंद हैं। वहीं लिंकोडिया गौशाला के संत गंगा गिरी महाराज भी सामने आए उन्होंने भी मीडिया के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए कहा कि मैं तो पिछले कई वर्षों से गौशाला का संचालन करता था। कुछ दिनों के लिए बाहर क्या चला गया इन दुष्टों ने 498 गौ माता को कहा पहुंचा दिया। आप तो मीडिया वाले हैं आप ही सच्चाई बाहर ला सकते हैं और सच्चाई बाहर आनी चाहिए। मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से आग्रह करता हूं इस विषय पर तुरंत संज्ञान लें और दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजें।

दावत ने ली जानः पार्टी के बाद बिगड़ी परिवार की तबीयत, महिला की मौत

शहडोल। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के छतौनी गांव में पारिवारिक कार्यक्रम के बाद फूड प्वाइजनिंग का मामला सामने आया है। कार्यक्रम से लौटने के बाद एक ही परिवार के तीन सदस्यों की तबीयत बिगड़ गई। इनमें से महिला की मौत हो गई, जबकि उसके पति और ससुर की हालत गंभीर है। तबीयत बिगड़ने के बाद परिवार के अन्य सदस्य एवं स्थानीय लोग सभी को अस्पताल ले जा रहे थे, तभी रास्ते में ही महिला ने दम तोड़ दिया। बाकी लोगों को अस्पताल में उपचार दिया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार ब्यौहारी के छतौनी गांव के रहने वाले विक्रम सिंह के भाई के यहां कथा का कार्यक्रम था। विक्रम सिंह एवं उनकी पत्नी अंजू सिंह तथा

विक्रम के पिता पहुंचे और खाना खाने के बाद रात में अपने घर लौट गए।

विक्रम के भाई का घर उसी मोहल्ले में है। रात में घर में सोते हुए अचानक अंजू सिंह एवं पति विक्रम सिंह एवं महिला के ससुर की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद घर में मौजूद अन्य सदस्य एवं आस पड़ोस के लोग तीनों को सिविल अस्पताल ले गए, जहां रास्ते में अंजू सिंह की मौत हो गई। पति विक्रम एवं महिला के ससुर की हालत गंभीर बनी हुई है। उनका उपचार सिविल अस्पताल ब्यौहारी में किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि अंजू सिंह की मौत हो गई है। पुलिस को परिवार के लोगों ने बयान दिया है, जिसमें यह बात आई है कि विक्रम सिंह के भाई के घर कथा का कार्यक्रम था। वहां से तीनों लोग खाना खाकर घर लौटे थे। ससके बाद से ही इन्हें दिक्कत शुरू हो गई। महिला की मौत की जानकारी पुलिस को अस्पताली तहरीर से मिली। मामले पर मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम करवाया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद कुछ स्पष्ट हो सकेगा। उप निरीक्षक मोहन पड़वार से जब इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने पुलिस को बताया है कि फूट प्वाइजनिंग की वजह से महिला की मौत हुई है।

फिल्म स्काई फोर्स से डेब्यू कर रहे वीर पहाड़िया ने किए महाकाल के दर्शन, सफलता के लिए की प्रार्थना

उज्जैन। अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म स्काई फोर्स में अभिनेता वीर पहाड़िया का डेब्यू चर्चा में है। वीर स्क्वाड्रन लीडर अज्जामद बोपय्या देवय्या की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि सारा अली खान उनकी पत्नी का किरदार निभाएंगी। फिल्म के प्रमोशन के बीच वीर ने उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन और पूजन कर फिल्म की सफलता की कामना की। अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म स्काई फोर्स इन दिनों काफी सुर्खियों में बनी हुई है। इस फिल्म में खिलाड़ी कुमार के अलावा जिस सितारे की जमकर तारीफ हो रही है वो कोई और नहीं वीर पहाड़िया हैं। 30 साल के वीर की ये डेब्यू फिल्म है, जिसमें वो स्क्वाड्रन लीडर अज्जामद बोपय्या देवय्या के रोल में हैं। फिल्म में उनकी वाइफ का किरदार सारा अली खान निभाएंगी।

अपनी इस फिल्म के प्रमोशन में वीर काफी बिजी हैं। कुछ दिन पहले वे बिग

बॉस 18 के ग्रैंड फिनाले में नजर आए थे। आज वे विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल के दर्शन वह पूजन अर्चन कर इस फिल्म की सफलता की कामना करने आए। महाकालेश्वर मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि अभिनेता वीर पहारिया ने आज श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन किये। उसके बाद पुरोहित पीयूष चतुर्वेदी ने पूजन अर्चन सम्पन्न करवाया। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से अभिषेक शर्मा द्वारा अभिनेता पहारिया का स्वागत-सम्मान किया गया।

यह सम्मान की बात है कि मैं ऐसी भूमिका निभा रहा हूं

बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद वीर ने बताया कि %एयर फोर्स अधिकारी के रूप में डेब्यू करना और वह भी एक फिल्म में जो गणतंत्र दिवस पर रिलीज हो, यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। यह सम्मान की बात है कि मैं ऐसी भूमिका निभा रहा हूं, जो हमारे असली नायकों के साहस और बलिदानों को दिखाती है। अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करना इस एक्सपीरियंस को और खास बनाता है। वीर पहारिया बिजनेसमैन संजय पहारिया और स्मृति संजय शिंदे के बेटे हैं। इनके नाना महाराष्ट्र के पूर्व सीएम रहे हैं। वीर और शिखर की मां स्मृति, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे की बेटी हैं। वीर और शिखर के पिता संजय पहाड़िया बिजनेस टाइकून हैं। वहीं, मां स्मृति संजय शिंदे प्रोड्यूसर हैं। वे सोबो फिल्म्स की मालकिन हैं। संजय और स्मृति काफी वक्त पहले ही अलग हो गए थे, हालांकि वीर की परवरिश इन्होंने मिलकर की।

मेरी शादी करवाओ... पिता ने नहीं सुना गुस्साए बेटे ने कुल्हाड़ी मारकर की हत्या

दमोह। दमोह जिले के हटा न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार कौशिक की अदालत ने पिता की हत्या करने वाले बेटे को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। बेटे ने शादी नहीं कराने पर गुस्से में पिता की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी थी।

लोक अभियोजक दिलीप सिंह ठाकुर ने बताया कि वर्ष 2022 में मड़ियादो थाना क्षेत्र में धारा 302 का यह मामला दर्ज किया गया था। माखन अहिरवार ने पुलिस को शिकायत दी थी कि मेरे दादा लुक्का अहिरवार खाट पर सोए हुए थे, तभी किसी ने उनकी गर्दन पर कुल्हाड़ी मारकर उनकी हत्या कर दी। शिकायत के बाद पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर मामले की विवेचना शुरू की। जांच में पता चला कि मृतक का

छोटा बेटा पप्पू अहिरवार घटना के बाद से घर पर नहीं है।

पुलिस ने तलाश कर पप्पू को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया कि बार-बार कहने के बाद भी मेरे पिता मेरी शादी नहीं करा रहे थे। इसलिए रात में शराब के नशे में कुल्हाड़ी मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया। करीब तीन वर्ष चले मामले में गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी पप्पू को आजीवन कारावास एवं दो हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

सभी निर्वाचनों में मताधिकार का प्रयोग करने राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर दिलाई जावेगी शपथ

लोकहित की पुकार, नरसिंहगढ़

भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली, एवं जिला निर्वाचन कार्यालय राजगढ़ से प्राप्त निर्देश अनुसार विधानसभा क्षेत्र 160 नरसिंहगढ़ में 15 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के तहत शुक्रवार 24 जनवरी को सुशील कुमार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधानसभा क्षेत्र 160 नरसिंहगढ़ द्वारा कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसील कार्यालय नरसिंहगढ़ के समस्त कर्मचारियों को प्रात: 11ऱ00 बजे सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने संबंधी शपथ दिलवाई गई।

25 जनवरी शनिवार अवकाश होने के कारण जिला प्रशासन सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया था 24 जनवरी शुक्रवार को अपने मताधिकार का प्रयोग संबंधी आयोजन कर सभी को शपथ दिलाई। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर सभी निर्वाचनों में मताधिकार का प्रयोग करने मतदाताओं को शपथ दिलाई जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर हर वर्ष 25 जनवरी को देशभर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। प्रतिवर्षानुसार इस बार 15 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाएगा। आयोग ने शनिवार को अवकाश वाले राज्यों में अधिकारियों-कर्मचारियों को 24 जनवरी को प्रात: 11ऱ00 बजे शपथ दिलाने के निर्देश दिए हैं। वहीं जहां शनिवार को अवकाश नहीं है, वहां 25 जनवरी को इसका आयोजन किया जाएगा।

मताधिकार का प्रयोग सम्बन्धी शपथ के दौरान श्री विराट अवस्थी (तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधानसभा क्षेत्र 160 नरसिंहगढ़), जितेंद्र राजपूत स्टेनो, पुनीत गर्ग एईजीएम, महेश जोशी पटवारी, महेंद्र सिंह खींची, गोपाल यादव, कमलकिशोर भंडारी निर्वाचन शाखा , राधेश्याम सगवालिया, जितेंद्र गुर्जर, विश्वनाथ सिंह उमठ, प्रांशु शुक्ला, राकेश नागर, राजेश वर्मा, पानसिंह सोनी, गौरव सोनी, अमन नागर, नेहा सक्सेना, गरिमा शर्मा, आजाद यादव, राहुल यादव, पवन सेनी , सागर महावर आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

शासकीय महाविद्यालय में बालिका दिवस पर पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

महेश जैन

मोहन बडो़दिया। देश में बालिकाओं के उत्थान, सशक्तिकरण एवं सर्वांगिण विकास के लिए प्रतिवर्ष 24 जनवरी को बालिका दिवस मनाया जाता है। इसी संदर्भ में आज शासकीय महाविद्यालय, मोहन बडो़दिया में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया। %समाज के उत्थान में बालिकाओं की भूमिका% पर निबंध प्रतियोगिता के बाद मुख्य समारोह आयोजित किया गया।

आमंत्रित अतिथियों एवं प्राचार्य द्वारा मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के पश्चात छात्रा किरण कुंभकार एवं शिवानी सूर्यवंशी द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गयी। पुष्पहार से मुख्य अतिथियों एवं मातृशक्ति के स्वागत के उपरांत प्राचार्य श्रीमती सौम्या सिंह तोमर के द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। उन्होंने बालिका दिवस मनाने की आवश्यकता पर बोलते हुए, हर क्षेत्र में - धरती से आकाश तक, स्त्री के साहस की गाथा के उदाहरण देते हुए, बालक - बालिकाओं को ऊर्जस्वित किया। मुख्य अतिथि श्री पंकज दवे, एकीकृत परियोजना अधिकारी,महिला एवं बाल विकास विभाग, मोहन बडोदिया ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए, शासन द्वारा बालिकाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से अवगत करवाया। श्री हरीश फौजी, सदस्य, जनभागीदारी समिति ने बालिकाओं को सशक्त बनने हेतु प्रोत्साहित करते हुए, जीवन के हर क्षेत्र में, उनके लिए खुला आसमान मौजूद होने की बात कही। कार्यक्रम प्रभारी एवं संचालक डॉ केशव शर्मा ने प्राचीन एवं वर्तमान परिदृश्य में बालिकाओं के अधिकार पर बोलते हुए, भारतीय संस्कृति में वैदिक परंपरा से आज तक बालिकाओं की उपलब्धियों एवं समाज के हर क्षेत्र में उन्हें प्रदत्त अधिकारों के उदाहरण प्रस्तुत किये। उन्होंने कहा कि बालिकाएं यथा मातृशक्ति, पुरुषों से किसी भी दृष्टि में कमतर नहीं है, वह अपनी दैवीयता के आसन पर विराजमान हो, पुरुषों को आगे रखने का उपक्रम भर करती आई है। वस्तुत: वह हर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ होने का साहस रखती है। तदुपरांत अतिथियों एवं प्राचार्य द्वारा विगत सत्र 23-24 की विश्वविद्यालयीन परीक्षा में प्रथम वर्ष में शिवानी सूर्यवंशी, द्वितीय वर्ष में अंजु राजपूत एवं तृतीय वर्ष में टीना कुंभकार तथा अनुभा कारपेंटर को प्राविण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए पुरस्कृत किया गया। वहीं शिवलता देवडा, नाजिया मंसूरी एवं अरविंद जसौंदिया को विभिन्न प्रतियोगिताओं में जिला एवं संभाग स्तर पर सहभागिता करने हेतु विशेष पुरस्कार के साथ कुल 84 प्रतिभागी विद्यार्थियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। डॉ अंजनी कुमार तिवारी ने आभार व्यक्त किया। राष्ट्गान एवं स्वल्पाहार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ जिसमें डॉ वंदना मंडोर, डॉ राजकुमार सूत्रकार, अभय भोसले, श्रीमती सायरा बानो खान, जितेंद्र विश्वकर्मा एवं मोहन सहित बडी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

एमेच्योर ड्रॉप बॉल एसोसिएशन के बैठक आज

लोकहित की पुकार, सारंगपुर

एमेच्योर ड्रॉपबॉल एसोसिएशन उज्जैन मध्य प्रदेश की बैठक का आयोजन दिनांक 25 जनवरी को सारंगपुर में किया जा रहा है। इसमें नवीन कार्यकारिणी के निर्वाचन की प्रक्रिया संपूर्ण की जावेगी। इस बैठक में आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता जिसका आयोजन 22,23 मार्च को बड़नगर में किया जा रहा है उसके लिए विचार विमर्श किया जाएगा तथा रेफरी क्लीनिक पर चर्चा की जावेगी। संस्था का वार्षिक बजट निर्धारित किया जावेगा तथा बैंक अकाउंट खोला जावेगा। खेल और खिलाड़ियों के विकास पर नवीन नियमों के ऊपर चर्चा की जावेगी। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष भास्कर राव भागवत एवं एमेच्योर ड्रॉपबॉल एसोसिएशन मध्य प्रदेश के सचिव मनोज चौहान तथा समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य गण उपस्थित रहेंगे। कई जिलों की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की घोषणा भी की जावेगी। उक्त जानकारी कोषाध्यक्ष डॉक्टर ध्रुव भल्ला ने दी।

ग्वालियर से इंदौर लौट रहे कारसवार परिवार के साथ लूट

नकदी, दो तोला सोने के आभूषण, जूते, टी-शर्ट, जैकेट तक ले गए

लोकहित की पुकार, सारंगपुर।

ग्वालियर से इंदौर जा रहे कार सवार परिवार के साथ सारंगपुर में लूट हो गई। शुक्रवार तडके करीब पौने चार बजे तीन नकाबपोश बदमाश लट्ठा से हमला कर 12 हजार रुपए, दो तोला सोने के आभूषण, बैग में रखे जूते, टी-शर्ट, जैकेट, चड्डी-बनियान तक ले गए।

पंक्चर सुधार रहे थे, तभी आ गए बदमाश

इंदौर के गीता भवन निवासी आदेश सिंह ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ ग्वालियर में एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। कार में तीन पुरुष, एक महिला और दो बच्चे सवार थे। हाईवे पर ट्रेंचिंग ग्राउंड के पास उनकी कार का टायर पंक्चर हो गया। जैसे ही वे टायर बदलने लगे, तीन नकाबपोश बदमाशों ने लाठियों से हमला कर दिया। लूटे गए गहनों में हार, टॉप्स और मंगलसूत्र हैं। थाना प्रभारी आकांक्षा हाडा और एसडीओपी अरविंद सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने केस दर्ज कर संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है।

पत्नी और बच्चे के साथ जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

छतरपुर। बीती शाम एक युवक अपनी पत्नी और बच्चे के साथ किसी वैवाहिक समारोह से वापिस घर लौट रहा था, तभी रास्ते में अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में पत्नी और बच्चे की जान तो बच गई लेकिन गंभीर रूप से घायल हुए युवक ने अस्पताल जाने के दौरान दम तोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक छतरपुर शहर में महलों के पास रहने वाला धर्मेंद्र पुत्र भगवत प्रसाद सेन उम्र 28 वर्ष अपनी 23 वर्षीय पत्नी लवली और 3 वर्षीय पुत्र के साथ साले की सगाई में पड़ोसी जिले टीकमगढ़ के ग्राम फुटेर गया था। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद शाम के वक्त धर्मेन्द्र छतरपुर वापिस लौट रहा था तभी ईशानगर थाना क्षेत्र में ग्राम पिपौरा के पास एक अज्ञात वाहन उसकी बाइक को टक्कर मारकर भाग गया। दुर्घटना में लवली और उसका पुत्र तो बाल-बाल बच गया लेकिन धर्मेन्द्र बुरी तरह घायल हो गया था। स्थानीय लोगों की मदद से घायल धर्मेन्द्र को जिला अस्पताल लाया जा रहा था लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया।

मुख्यमंत्री से मिले जिलाध्यक्ष गुर्जर, सीएम ने पुन: नियुक्ति पर मुंह मीठा कराया

लोकहित की पुकार, सारंगपुर।

भारतीय जनता पार्टी पर बीजेपी जिलाध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जर को दूसरी मर्तबा जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि जिलाध्यक्ष पद के लिए कई लोग ताल ठोक रहे थे। पुनऱ जिलाध्यक्ष नियुक्त होने के बाद श्रीगुर्जर ने मप्र शासन के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से मुलाकात की और उन्होंने उनका मुंह मिठा कराया। दरअसल बीते विधानसभा चुनाव और फिर लोकसभा चुनाव में बीजेपी को मिली बंपर जीत को देखते हुए जिलाध्यक्ष के पद पर ज्ञान सिंह को रिपीट किया गया है।

श्रीगुर्जर का जीत का इनाम

दरअसल विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने राजगढ में खासी सफलता हासिल की थी। इस

जीत में ज्ञान सिंह गुर्जर की रणनीति को भी माना जा रहा है। पूर्व में जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुके ज्ञान सिंह गुर्जर राजगढ जिले की खिलचीपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण क्षेत्र से ताल्लुक रखते हैं। जिन्होंने विधानसभा चुनाव से पूर्व ही जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली और भारतीय जनता पार्टी ने इन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लडा। राजगढ जिले की पांचों सीट नरसिंहगढ, ब्यावरा, राजगढ, खिलचीपुर और सारंगपुर जीतकर कांग्रेस को क्लीन स्वीप कर दिया।

विधानसभा चुनाव के बाद बारी आई लोकसभा चुनाव की। इसमें भारतीय जनता पार्टी ने तीसरी मर्तबा रोडमल नागर पर भरोसा जताया। कांग्रेस अपने दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह को मैदान में उतारा। इससे सीट गंवाने के पूरे अनुमान सामने आने लगे, लेकिन भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव भी जीत गई। इसी को देखते हुए ज्ञान सिंह गुर्जर पर बीजेपी ने भरोसा जताया।

मंदिर और शासकीय भूमि पर जबरन रोड डालने पर तहसीलदार ने दिया नोटिस

नौगांव। नगर से लगे ग्राम पंचायत बिलहरी में नृसिंह मंदिर के पीछे बिना अनुमति के कृषि भूमि पर नियम विरुद्ध तरीके से प्लाटिंग की जा रही है। लेकिन प्लाट पर जाने के लिए मेन रोड से कोई भी रास्ता न होने पर नृसिंह मंदिर की शासकीय भूमि पर से ही अवैध प्लाट के लिए भू माफियाओं द्वारा रास्ता तैयार किया गया जिससे प्लाट की अच्छी कीमत मिल सके। मंदिर और शासकीय भूमि को सुरक्षित एवं संरक्षित करने के लिए सावन दीक्षित द्वारा एसडीएम और जन सुनवाई में शिकायत की गई। तत्काल प्रभाव से तहसीलदार के द्वारा रजनीश मिश्रा से न्यायालय में उपस्थित होकर जवाब मांगा गया।

जानकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत बिलहरी में नृसिंह मंदिर के पीछे रजनीश मिश्रा वगैरह की कृषि भूमि है, जिसमें से खसरा नंबर 1562/2, 1563, 1567 सहित अन्य नंबरों का अनुबंध रजनीश मिश्रा वगैरह ने छतरपुर निवासी अमित गोस्वामी से 13 मार्च 2024 में 45 लाख रुपए में किया था, अमित गोस्वामी ने जानकारी देते हुए बताया अनुबंध के समय 20 लाख रुपए चैक द्वारा और 5 लाख रुपए नगद भी दिए गए लेकिन अभी तक भूमि की रजिस्ट्री नहीं की गई जिसका लीगल नोटिस भी लगभग एक माह पूर्व जारी किया गया था। इसके बाद रजनीश मिश्रा ने बिना अनुमति के अवैध तरीके से अपनी कृषि भूमि पर प्लाटिंग कर मुरम से रोड डाल दी इतना ही नहीं मंदिर की और शासकीय भूमि खसरा नंबर 1566, 1606, 1607 पर से भी बिना शासन की अनुमति के सरपंच की मिलीभगत से प्लाटिंग के लिए रोड डाल दी जिसकी शिकायत हल्का पटवारी से की गई। इसके बाद लिखित आवेदन एसडीएम को देकर मंदिर की शासकीय भूमि को सुरक्षित रखने एवं संरक्षित करने रोड हटाने की कार्रवाई की मांग की गई। जिसपर तहसीलदार रंजना यादव ने कारण बताओ नोटिस जारी कर मंदिर और शासकीय भूमि पर मुरम से जबरन रोड डाल अतिक्रमण करने पर न्यायालय में उपस्थित होकर जवाब पेश करे जवाब पेश न करने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्लाटिंग पर जाने के गांव के अंदर से देवी मंदिर के सीसी रोड द्वारा जाने का रास्ता है लेकिन नौगांव महोबा मेन रोड से प्लाट पर जाने के लिए कोई भी रास्ता नहीं है आगे मंदिर की शासकीय भूमि जो वर्तमान में मध्य प्रदेश शासन दर्ज है उसी भूमि पर नियम विरुद्ध तरीके से जबरन अवैध प्लाटिंग के लिए रास्ता बनाया गया है जिससे प्लाट के अच्छे दाम मिल सके जबकि ग्रामीणों को देवी मंदिर जाने के लिए पूर्व सरपंच द्वारा सीसी रोड मंदिर तक डाला गया था उसी रास्ते से सभी देवी मंदिर जाते हैं मंदिर के बहाने व्यक्तिगत फायदे के लिए अवैध तरीके से भू माफियाओं द्वारा शासकीय भूमि पर रोड डाल दी गई जिसे हटाने के लिए प्रशासन से मांग की गई है।

छतरपुर में तैयार हुई हाईटेक सेंट्रल लाइब्रेरी

छतरपुर। शहर की सिंचाई कॉलोनी में करीब 7 करोड़ की लागत से हाईटेक सेंट्रल लाइब्रेरी बनाई जा रही है, जो लगभग तैयार हो चुकी है और जल्द ही इसका लोकार्पण होगा। गुरुवार की शाम को कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने लाइब्रेरी का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि इस हाईटेक सेंट्रल लाइब्रेरी में सीनियर लाइब्रेरी कक्ष, जूनियर लाइब्रेरी कक्ष, एडमिनिस्ट्रेशन रूम, मीटिंग रूम, एंट्री प्वाइंट के अलावा पार्क, सीसीटीवी कैमरे, कंप्यूटर जैसी अन्य सभी प्रकार की आधुनिक सुविधाएं रहेंगी।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के साथ-साथ अन्य छात्र-छात्राओं की डिमांड के अनुसार लाइब्रेरी में कोर्स उपलब्ध कराए जाएंगे। हाईटेक सेंट्रल लाइब्रेरी शुरु होने से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों को अध्ययन में काफी लाभ मिलेगा।

भारत को जानो प्रतियोगिता के विजेताओं को मिले पुरस्कार

छतरपुर। भारत विकास परिषद छतरपुर द्वारा सन्मति विद्या मंदिर छतरपुर में विगत दिनों संपन्न कराई गई, भारत को जानो प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को सन्मति विद्या मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही उपस्थित छात्र-छात्राओं को काउंसलर डॉ सुमति प्रकाश जैन ने दिन भर में न्यूनतम समय मोबाइल चलाने की प्रतिज्ञा दिलाई, जिसे सभी छात्र छात्राओं ने बड़े उल्लास के साथ अपने हाथ आगे कर संकल्पी मुद्रा में ग्रहण किया।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ सुमति प्रकाश जैन ने भारत विकास परिषद के उद्देश्यों, कार्यों तथा सामाजिक सरोकारों कर प्रकाश डाला। सुश्री आभा श्रीवास्तव के संयोजन में सन्मति विद्या मंदिर में पिछले दिनों भारत को जानो प्रतियोगिता आयोजित हुई थी, जिसमें स्कूल के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर सहभागिता की थी। विजेता छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र, शील्ड एवं उपहार प्रदान किए गए ।वरिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिता में हिमांशी साहू को पुरस्कृत किया गया। कनिष्ठ वर्ग में प्रथम पुरस्कार चेष्टा रावत, द्वितीय पुरस्कार त्र्यंबक शुक्ला एवं समान अंक पाकर अन्विता त्रिपाठी, भावना गौतम, अंशिका तिवारी एवं ईशा द्विवेदी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के अध्यक्ष बृजकिशोर अग्रवाल, डॉ सुमति प्रकाश जैन, संगठन सचिव अंबिका प्रसाद सोनी, उपाध्यक्ष प्रकाश जैन, संरक्षक कमल अग्रवाल, सदस्य जय कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे। इसके साथ ही स्कूल के प्राचार्य विनोद सोनी, आरपी पांडे, सुरेश कुमार अरजरिया, सुरेश खरे, शिवनाथ विश्वकर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम में सन्मति विद्या मंदिर की संचालिका श्रीमती प्रमोद चेलावत का भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों ने शॉल-श्रीफल तथा स्मृति चिन्ह से सम्मान किया। विद्यालय संचालक सम्यक जैन का भी सम्मान अध्यक्ष बीके अग्रवाल सहित सभी सदस्यों ने किया। स्कूल के व्याख्याता आरपी पांडे ने परिषद का आभार ज्ञापित किया।

दैनिक लोकहित की पुकार के लिए स्वामी प्रकाशक मुद्रक संतोष पुष्पद द्वारा सोनू ग्राफिक्स राधा कृष्ण कांप्लेक्स सारंगपुर राजगढ़ 46569। से मुद्रित व सिविल अस्पताल रोड सारंगपुर राजगढ़ मध्यप्रदेश 46569। से प्रकाशित, संपादक संतोष पुष्पद मोबाइल:- 94254 44 846- सभी विवादों का न्याय क्षेत्र सारंगपुर रहेगा।